शारदा लि॰

व. १ भूर्ज पत्र कोशा न. १ में.

	नाम	कर्ता	
१.	शाक्त सिद्धान्त लेश:	अप्पदीक्षित:	
	शारदा लिप्यां	वेदान्त शा.	पत्र. ४५
२.	ईश्वर प्रत्यभिज्ञा विमर्शिनी	अभिनवगु.	नहिं. शा. प. १५९
३.	ईश्वर प्रत्यभिज्ञा कारिका	उत्पलदेव.	प. १२
४.	मनु स्मृति:	....	धर्म शास्त्र प. १००
५.	जातकं	.... वराहमिहिर:	ज्योतिष प. १२
६.	ज्योतिष रत्नमालाटीका	महादेव:	प. ६
७.	शीघ्रबोध:	काशीनाथ:	प. [illegible]

विज्ञानलेशः १ प्रत्यभिज्ञा २ मनुस्मृतिः ३
रुद्रजातकं ४ रत्नमालाहं केतमात्र ५ श्रीप्रबोधद
लेखनसंवत् १९७९ तत्रपत्राणि २५१

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ਪਾਮ ਸਭਾਗ ਪਾਲਿ ਪਾਮ ਪ੍ਰਪਾਲਾਰ ਸੇਰ੍ਹੇ ਕੈ ਸ਼੍ਰਾਦੁਕ ਸਰਣਰਣ

ਰਾਲਿ ਸ੍ਰੁਮਲਾਰ ਕ੍ਰਿ: ਪਾਰਿਸਰਸੀ ਤੁਰਖਾ ਸਿਣਾਲਿ ਤਸ਼ੁਸ ਵਿਰਮਾਰੁ

ਰੁਮਰਾਰਾ ਸਰਕਸ਼ਾਰ ਲਕਾਲਾ ਪ੍ਰਾਮਾਣੁ ਪਤੋ: ਰਸੇਰੈ ਸਰਪਰੁ

ਸ਼੍ਰਿਓਕਾਰਾ ਸ੍ਰੁਰਿਵਿਖਯਰੰ ਤਸ਼੍ਰਰ ਸ੍ਰੁ ਡੈਪਾਠਕ ਕਿੰ ਸਿਤਰਸਂ

ਤ੍ਰਾਰ ਸਕ੍ਰਤੀਤਿ ਸ੍ਰਾਤੇ ਤਰਤੁਸ ਸਮਰਾਸ਼੍ਰਵਿਣੁਂ ਗਪਰਯਰ ਸੰਕ੍ਰਾ

ਰਵਿਸ਼੍ਰਰਸ਼੍ਰ ਸ੍ਰੁਤਸ਼੍ਰੌਤ੍ਰਾ ਵਿਣਾਸਰਿਤੁ ਵਿਣ ਸਾਸਰਵੇਸਤਤ੍ਰ

ਤੁਲਿਖੁ ਸੌਤਿਕ੍ਰਾਰ ਰਿਖੇਣ ਪਰਣਤ੍ਰਿਣੁ ਵਿਣੁਯਾਂ ਸ੍ਰੁਤ ਸ੍ਰਾਧਿ

ਤ੍ਰਿਖਯ ਸੌਵੇਰ ਪ੍ਰਯੁਤਾਸ਼੍ਰਾਗਿਤ ਸ੍ਰਾਰਿਖੇਤੁਸ ਸਰਾਰਣ। ਥਾਤ੍ਰਿ

ਣੇਯਾਯਾਂ ਤਸ਼੍ਰੁੰ ਤਕ੍ਰਤਿ ਰਿਗਾ ਪ੍ਰਸਤ੍ਰਾਣ ਤ੍ਰਿਖੇਯਾਯੇ ਗਾਸ਼੍ਰਰ ਨ ਤਸ੍ਰਰ

ਤਿਕਾਰ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]

[illegible]

𑇘𑇐

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विकल्पश्च

[illegible]

[illegible]

विकल्पः

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

१००

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ १५ ॥ [illegible] ॥ १३० ॥

ॐ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॐ [illegible] ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] द्वितीयोऽध्यायः ॥ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ [illegible]

[illegible]

न्यादेतड्डुवेन्मल्लीन्नापत्तल्लेतो। उक्तीह्वकम्बुयेऽवय कुस्तु
लेक्षुआन्तयेः। उपमतानुपद्धिंवादानुमेवु वल्लिंगलेतो। विसेवक्षु
वस्तवेड्डे गल्लिभक्तास ऊड्डिपतो मिचृतावर्स्तेक्षु ऊड्ड नड. क्रो विडुत
वेम। धक्षुवानु निक्र पीठ वल्लिंम चानृक्षऽय। पिर्देडे वल्लि म वेड
भवंपक्षिाकिलतो। सुनांमपक्षिडानृमसुपर्मां पार्यनीगामाम्।
वृप्यमदृं क्षिभीम्मसवक्लैविद्विपेन्नुवि॥ त्वंयम चक्रऽारि
ऊप्मलिविक्षुमनाडि, भगस्लुडिपरं मूानं ऊलिभुत्लिऽायमः।
वक्षुेस्नलिक्र्मुँवभाडि विंषचभामयेडे। किंविंवलिवीर मल्लाश्चि
णिवमूप्मगामिनि॥ यद्भुद्दफल भर्पृडिगान्त्रु विणिवमुँः।
स्त्रुद्दफलभर्पृडि किंद्वुन्त्रुप्रविरोगली। किंवान्मधुम पाऽ
वानुक्षुद्विणिप्नचक्रम। वेमऽत्रुल्लाद्विभवे ऊप्मु येपपाम
येऽ। नसुत्रिफ्तुसस्नुगनि मृगाम्भविरण्ठम्। ऊमीऽऽद्ववि
प्रेष्टुर्भफस्लुतामिसऊलिः। विहृऽप मम्क्षेवफऽविभूपम्प
चिक्ष। किमुलयनिभ्रगान्त्रुभजनक्षुवल्लाम्यातो। मम्भुक्षुयर
डिषयेभृस्त्रुभमितिमेक्र अहं मेवयघामति भलडविणि
मऽ चक्रम। मिलामहुक्रोविंपाक्षुमीनपिद्धक्षुऽः। मर्वमव
मक्ष ऊभामेनुभूप्मलिनेकिडे वृमवृ। ऊम्विडुमिर स्कं वृ क्षाऽ
०७ शीमसुवऽा। त्वऽभ्रुपिमऊंगाजेवेक्षिस्वडकमःमऽ। स्कनं

वर्ये विष्णुर्मयं तुष्टं मूर्तिपत्रं लोकपूजा। भक्तिमुत्तमां मध्वाज्यपिष्टकं
स्वनस्तु। मधुमेतु तत् श्रिये मधुप्रियं कुतागति। स्तुवधूत
भूतंस्मृते समिधमसमश्रिताः तवचतुंधूनणवत्तुं णनिभिकेनाभिवित
म्। पुष्पाणि जलं तु वासपुष्पाणि भूयं प्रकल्पयेत्। स्तुतितिमं
तं संचमुं वन्तुकनपिप्रनाथ्येत्। तस्मै धान्यं तु तद्भिखं तु धाविधि
विमस्तितः। उतेनपवल्लितु यामिति णिमुद्दवचिते। ततस्य
स्त्रिग्नद्य यस्मान्तु प्रकल्पते। पिष्टिनिधिवस्तुं स्नुपहान्
मयतः। तिलं तृप्तिं यदृद्ध्यं मधुवधिंमूलफलौदनं। सर्वेन मा
संधीयतु विधिवन्दिनं वस्त्राभर्णं। दीर्मामिमधु मांसेन शीघ्रमा
फलिनातु तेनकुञ्जयवस्तु वस्त्रात्तु गजपाठुं। यामध्याद्
सुगमांसेन माहृदवतु मधुरे। मधुवानायमांसेन रेवेन्ना
ववितु। वसमासो तु तुष्टि वराहमांसयागतु। समधुसर्पि
मुमांसेन मासान्तु कांसमवतु। मंसतुंवतु गव्येन पयसा पायसेन
वा। वर्णीनमधुमांसेन शश्वतृप्ता समाप्तिकी। कालस्य
कमणमल्कं तु कुण्ललिजमिश्रं मधु। श्रुतंतु पवेकल्पतेमह
दृप्तिमनचस। यत्किंचिन्मधुसंमिश्रं प्रमतं तु तृप्तिसमीरितं
तस्य मुद्गयमव्यञ्जनमधुपायसं। स्वयितंसतुले
तेयन्ति मधुतृप्तिसमीहिता। पायसं मधुमाहिषं भांकं यत्

[illegible]

सास्कुर्यंयमस्यवे स्कुर्तंसेचा क्लिपक्रुसमर्म। रास्नास्तम स्त्रेवृम्मेवेनुं
किंत्रुकषामनर्म। नस्किक्रुवृपरिमाणि मतुवेद्धे रयवृपाद्री। व
मल्लेखुविमस्त्रीय वृस्कित्रुकुरांस्क्रुमर्म। वकस्मविष्ठलंकल
वृायक्लुमभूपं मयमर्म। लीखु भद्री ह्ला कुमी नपाप मीम
येकः। भविर संवूरा भुस्मुस्र गंके स्मुनि वेवर। नविग
कुक्षावुयस्वपिस्र भुंनणरयेठ। गवां मयवेप
धुतिभवमव्वविगाद्रिवर्म। श्वस्र वेभामवाडीय क्रुनेवावस्
वावुवर्म। मड़िमचवे भल्लापिस्त्रेवस्प चिवलयवे। वा हुंक्री
वेकुमामिस्कु स्वयेवेपावर्णवर्तवे मयवस्कु रुकुक्रीव नयालि
कुरेनामव। भवं याडिलमव्विक्त वाहु मस्कुभययंभुडि। नमनयु
स्रुयीडक। नगे स्कि खुकु मिस्रुवाडी। स्कुकु यास्कुडक्रीवदाभु
यास्कुसंविमरडी। स्कुकु यास्कुडकुरे मीद्भि मायुरवायूयाडी।
स्कुस्कुचिषयंस्रगं वधूपक्तुविकाद्रिमिडी। नवि भुवसमीवो
वगाहुवंमीडवे। श्राणिडिखुविकसां स्कुवठमासिकुयालि
के। वकूवमाद्रि स्कुवं मीडुमायुर्लि रमी विस्रुः। वमंवमस्र
मव पकिडेकुमासुनक्तेवृधकोसेः। वक्षत्व वेगवालिखुसस्र मनुवेस्रुव
स्म मायवेः। वस्कुवयभडिवंकुवृमिकुखुवफविखुवर्म। वमायु
१७ पामिस्कुस्वे वामास्त्रुवकमामिसवडी। मेयांवयवामंवमसाकवे

त्रिभङ्गुवाक्तम्। मङ्गैस्तुन्मस्तु अप[illegible] स्तुस्तुतैर्विनिभान्ति तः। त्रैयाम्मूप
सुंभग्न त्रैयाद्दिध्रूपसुंस्तुघा। नङ्गैवस्तुपघाकतुंपस्तुनिस्कङ्गैवृद्रुत।
यावत्तिपसुस्मि[illegible]वङ्गविङ्गुमानामानं। त्रैघाभस्तुप्प[illegible]र्दिखि
त्तुराभ्भनिसाभ्भवि। यस्तुतुंपसवम्भिर्हिखु[illegible]यभवृघयस्तुवा। यह्लि
मुङ्गैभचस्तु तम्मस्तुलुवर्णवत्तः। तिथभुस्तुमर्वरिघको [illegible]
[illegible]दिग्नि[illegible]तुघा। यस्तुत्तोनिनर्भूघ्नाः भुम्भिवस्तु सुडीस्तुतः। भङ्गप
कुंभयहलुन्न [illegible] पवाक्तुस्तुम्म [illegible]। अडैपसर्वैजिह्वानवुडङ्गडपिनि
तः। [illegible]पस्तुःफ्रिंभडमेतडुत्तुविनिप्त्र्याः। तुड्डानेमपस्तुस्तुव
गम्भयस्तुडुभंगाडिनी। [illegible]लवग्लुवानिवभवृघ्नुवान्नियाः।
नृवस्मेविजितांजिना[illegible]भापस्तुपिसभावारतौ। यावम्सविजितांजिंना
नियतार्भिंसुरानारा। स्वाजिंसभवेतर्विस्तु[illegible]स्तुमोजिनिवृत्तौ।
योजिनचापि[illegible]निजिनस्तुडस्तुपस्तुया। भगीरस्त्र[illegible]
चनकोमिस्तुपभण्डते। यैस्तुतपविल्कोभ[illegible]गनिकोद्दृ
ति। भगवस्तुजिडपुस्तुस्तुपभावसुभस्तुत। यस्तुयडयस्तुत
गतिरघाउयडतर तमवाभूडेयडुतयोजिनस्तिवनिस्तुर नाइत्तोपू
निस्तुंजिंमं भंभभ्यदितवैलितो। नवघ्राणिचपरस्तुघस्तुनुस्ये
मेंभविवस्लायेतो। भवद्डितुंसभंभागस्तुवणवस्तुभस्कजिनागां। भूम

स्मान्ततः पावकं स्वधाभिः [illegible] सर्वं पूर्णं विभुर्विष्णुरिति स्मृतः ।
वरुणो विश्वमूर्तिश्च [illegible] । सुरेश्वरो [illegible] कार्या [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] गिरा [illegible]
[illegible] क्रिया । [illegible] सर्वतो [illegible] ः । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] ः । [illegible]
[illegible] । [illegible]
[illegible] विधीयते । [illegible] । त्रि
[illegible] । [illegible]
[illegible] ः । [illegible]
[illegible] । [illegible] लोकपालानां [illegible] ः । लोकं [illegible]
[illegible] विधीयते । [illegible]
[illegible] । [illegible] ः [illegible]
[illegible] ः । [illegible]

सू [illegible] ग्गी

त्रि

ष्ठितः सततं कालिकां वा [illegible] मुख्यनकालिकः । षट्समलक
लि चापि केवलं चतुर्युगं [illegible] कालभक्ते [illegible] मीलिं चोपान्त
सं स्थितः । [illegible] विपरिपवर्तते [illegible] सम्मिलितं । [illegible]
सन्[illegible] विकस्थं [illegible] परयन्नपः । श्री[illegible] प्रकुरुत्या [illegible]
[illegible] कामकः । [illegible] समं सं वरयन्नपः ।
उपन्दसंस्थित [illegible] विहि [illegible] यतः । उपस्थं [illegible]
सेधयं [illegible] भवतः । [illegible] निवितं [illegible] यव । पि
णि । [illegible] निकेतं [illegible] लफला समः । [illegible]
पाके [illegible] णनामयः । सर्वा [illegible] समनस्कं [illegible]
निकेतनः । उपसं [illegible] विपूर्वयतं [illegible] । गप
भविष्य [illegible] व्रतगति [illegible] । [illegible] स्वीय
[illegible] स्म [illegible] वमतः । [illegible] पालिनः सकलं
[illegible] । [illegible] सवेत [illegible] वमतः । [illegible]
[illegible] पविषणी [illegible] सततं [illegible] । [illegible]
[illegible] सविंतः । [illegible] समस्तं [illegible]
सेमंती [illegible] यतुरां [illegible] समा [illegible] । [illegible]
[illegible] सा [illegible] समाः । [illegible]
मयमंतरं । [illegible] निकेतनं मनीयतं । [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] कल्पय [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ यथा [illegible]
[illegible] कल्पय [illegible] ॥ यथा [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] कल्पयतो ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

नत्र्वेद्येदुगार्व श्रीलिंशुक्रपणिठक्रुष्णभक्तुकाले विंसणयते।
विश्व,तुवनभगनवुंतैयगैवित्तुषवस। भ्रियसुववविसखेलअ्म
भुभुनविसुनठे। भक्षुक्रितवराडेवाविसुनुविगठक्लभः। मितु
यत्रिमेकाभाजुक्ष्मवंठेरकुस्यवा। परन्भदरविकृकुर्वाठेखांयमस
पाक्तानुर्मा। शिपमीर्विम्निन्दूसानुंसकुभागालेमरहो॥ अर्मी।
सेठभंखेषांसिंदकायसेखंठेषवस। श्रुतुश्चुरभूसारंसश्रि
पीवांससश्रुिठस। ठक्रुवाध्रुविणंकुभयक्रुवत्जंसठक्रुठः। अर
ननापरागीसिभूसारंभगुलभुभा। भक्षुभक्षुभ्रूसारंसविशि
गीयिकुसाधुठर्म। उमनीरिभूसारंससङ्क्षवधूयक्रुठः। सता
श्रुक्रुठ्ययेमलंभगुलभुसनाभठः श्रधुा सेंवसभाभ्रुाठाषै
रसेवक्रुठानसुठाः। श्रभभ्रुगाधुसुगाठ रम्भ्रुाष्ठु सुन्द्रकुमा
..ः। भुठेकेकाषिठाकुठाः भक्तूपाअश्विभधुठिः। श्रावकुरभारिं
सह्रे मरिसंवकुंभवरा। श्रमेसवतुरांभिवेठ ... नीरवेषै
र्मां। ठक्रुवानठिनंसप्रुक्षुभागसिठिकुपकर्मः। तुभुक्षेव
भभसुठेक्रु पठियेअनयेवस। भक्रिंसरिगूढसेवयानेयास
नेभेवस। कुठीठावंसभुयंस धवुंअक्षिनुयक्रुभा। क्षुभंवसेव
यानंसमङ्कुयससरिगाकुस। कायंभृङ्कुभयवाक्षीठसवंभसय

मुकस्य

कवानं

भवेत् । भौमेन्दुस्त्रिविंश[illegible] विपुल[illegible] भवेत् । [illegible]
[illegible] भवेत् । [illegible] विपरीत[illegible] भवेत् । [illegible]
[illegible] स्त्रि[illegible] लक्ष्मी[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] त्रिविंश[illegible]
[illegible] । [illegible]
त्रिविंश[illegible] । [illegible] । [illegible]
[illegible] त्रिविंश[illegible] । [illegible] त्रि[illegible]
[illegible] । त्रिविंश[illegible] । [illegible]
[illegible] । [illegible] त्रिविंश[illegible]
[illegible] । यस्य [illegible]
[illegible] । यस्य [illegible]
[illegible] । [illegible] विपुल[illegible] ।
यस्य [illegible] । [illegible] विपरीत[illegible]
[illegible] । यस्य [illegible]
[illegible] । [illegible] यस्य [illegible]
[illegible] । [illegible] । यस्य
[illegible] । [illegible]
[illegible] । विपुल[illegible] । [illegible]

देवं शिवं सचराचरं जगत्‌ यथा। यस्य [illegible] पिण्डं पञ्च कृषेसंसृष्ट
कर्मभिः। मय्यभ्युदय [illegible] चित्कल्पस्वभाव [illegible]। मर्चये
[illegible] तद्भोगिभिरुपचारैः पादिः। यथाप्रवृत्ति [illegible]
[illegible] मध्ये [illegible]। सूर्याशीत [illegible] सवितामयं
सहीता [illegible] सवितुर्यामार्गे [illegible]। सूर्यद्वार [illegible]
[illegible] सुमनोवृत्तिर्यस्य य। सूर्यो [illegible] विनुवि
[illegible] यदेवं [illegible] मभ्युत्तरः। तथाच [illegible] विनि
[illegible] मामाणिक्यवयः। यस्तु [illegible]
[illegible] तस्य विनायकाय [illegible]। [illegible]
[illegible] पादिः। [illegible]
[illegible]। [illegible] यस्य पञ्च [illegible]
[illegible]। [illegible] विनायकं
[illegible] याथातथ्यविधि। [illegible] सर्वमनाक्र
[illegible] आदिकं [illegible]। [illegible]
[illegible]। [illegible] सद्भावविनिमित्त
[illegible] यिककल्पनयायां [illegible]। [illegible]
[illegible]। [illegible]
[illegible] याथातथ्यं [illegible]
[illegible]। [illegible] विद्युत्पयस्थल
[illegible]। [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीगणेसयनमः ॥

गौरस्तनतटस्पृष्टं एतेभ्यायाम्नि मेरुतु। गतर्ज्झक्षाय्येतुरं सचा
श्रीरंठयाला। यस्यास्कुतयथास्तबं सचसवपाङ्क्रमावया। सुश्री
लक्ष्मीवलकं नवहरतूभास्त्रालक्षः। स्तुतूण्य [illegible]
लभजन्याठकिपाङ्कुमे:। गौरद्यक्रिन्द्रागिरयकांमुवकान
श्रीलस्ना। भूक्षाव्वावृश्रिकं स्तूय विधूतद्भुवमामरठे। ये
वियतेन्मुकमठस्मरपिरुलपल्लीविन:। सितग्तुभठिका
देवि श्रुंस्कुरुवसामरुठे। रुनमरुमठेगेश्रयणवरुघूवष
:। नमस्थगास्कुरुवल्लकं मुवीसाव्वंवसहितंभा। स्तुस्व [illegible] वे
प्राणायसठेठेवस्त्वः ठश्वतोषु भरुठं ठस्निमराण्सिमिषुठं।
सांगं वठेस्कुलतरियरव्यंमुशिर्मृतीमें। सवतठेतमशुर्य
चान्तनिश्रुतिर्यनमे। ऋषिमातुचाधिरापृयसकुभर्णाय
धावितिं। ठमित्रुमावावन्नेमुरुमिरक्षेवठेवेवा। श्रिपद्मामरु
नमः श्रीधन्यामिधुर्वरगोमः। ठन्मांखुप्रयसुचं म सरकुस
मनमः। यशुरुस्तेठ समुतद्रसुते वठ्ठसुसाद्भिगाः विगौरि
श्रूठिमगनम्मां सत्यो समं नमः। श्रीमाद्भिर्किन्नरगवरि
सेविरमनायेः। अदितंतुहृतःसंते सपपत्रवापिलस्तयते।
भजद्विदिस्तुमरमस्कुरयाकं सपपा:दठ:। यनिखुस्वापिस
पवं सेपयेत्स्वरिरमं। नवयत्रासपवंदयद्भुलक्ष्युकंनेरिस्वा:।

श्रीगणेशायनमः ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्रीत्रुियंभुणिरत्तुमि गल्ल यन्नुवाकिञ्जुभ्मी। नफातु लीन
मादंभंसमणमंभ्रु नायजुस। सान्मल्ले फलाकेसल्लु नोनिस्र
वे सकलसुत्रैः। नमवां भंनमि वांभोठिग्निफनन्नुम्यचामयरो। उ
तुवयिा मम पल्तं मञ्जु मेकेभलाणिकभ्मी। श्रुतिहुसावत्तुभा
नो मभुश्विनमभंसभभ्मी। सुलकुत्तु वञ्जभूसलास्मचपप्रवि
सञ्चाज्ञः। केयुस्यं यघुपाभुं उतविभिमञ्चुभेफरतो। सुलकुर्भ
नेपारिफरत्नुकालेज्ञयविज्ञयी। भिञ्जवामीन्समत्तुर सापुनु
गुणभतुयभ्मी। भुगनं विजमंत्रुव यघाछिस्तुनायंत्रुति। विश्व
दभचपपुणांकमरयञ्जुयाविकरयी। भञ्जुरउ याञ्जुरउपन्नांप
केतघागञ। कुचीतमंखंभ्रुठञ्जभ्यमन्त्रुपवंञ्चपः। तुलाभात्र
प्रठीभावं भवंतुत्रुलाच्छिरञ्जमी। यद्दु यञ्जुममाभखुपरीक्षितप
सञ्चुन्नः। याम मंनुभुतुरमन्त्रुः प्रवंखेवयभागं ठनदं। यामयपत्रु
सूयिखिस्र याभावंरिस्रुकुःभभावी। तानुप्नलविस्याना
विडायंसभुभ्रिभारतः। विञ्जुतामुर्नवियक्षित्तिहूमंनस्र
भरित्तुसः। मस्थिन्नुतियघारुसं यघाकालं उरेरुशउ।
नमीडीरखुठस्निनुनुभमुनाञ्जिलञ्जभ्मी। गाञ्जिलीतुम्मि
भास्मि भुघापत्तुरिञ्जुमाहिः। ञुम्भलिञ्जिनम्मुरनमयु
भुणिकंजुर यञ्जुविकिस्निमंभाप्तं विसीवउपयाणडः।

श्रुत्या तस्य स्मृत्युक्तया। श्रुत्वा श्रवणगम्यत्वं तद्गम्यं च विश्वस्य।
विश्वात्मत्वं निश्चयस्तु तत्त्वे व्यपदिश्यते। तस्य रूपं स्वरूपं च
तीर्यं रूपं ततः। द्वितीयं तस्य रूपं तत्तु ज्ञेयं हि सः
तुरीयं गायत्र्याः पञ्चदश्यां तत्त्वे। विश्वात्मत्वं निरंजनं निर्गुणं
यथावद्विधि। गुणत्रयं मूलरूपं सगुणं तत्त्वं परं। निर्विकल्प
यो विदित्वा विमुच्यते तत्त्वतः। तत्त्वं तत्त्वतः
रामं तत्त्वम्। तत्त्वं हि विश्वात्मनो निर्वितर्कं निर्विकल्पम्
स्वरूपं हि विश्वरूपं तत्त्वं परमं। निर्गुणं सगुणं
निर्विकल्पं तत्त्वं। निर्विकल्पं विश्वरूपं विश्वात्मानं
स्वयं स्थितं विश्वत्वं तत्त्वं विगतविकारः। परात्परं
तत्त्वं स्वरूपम्। समाधिना विज्ञेयं ज्ञानं
स्वरूपं तत्त्वं यथा तत्त्वं तत्त्वतः। तत्त्वं
तत्त्वं विगतं
जगत्। विश्वं यथा तत्त्वं विगत
विज्ञानं। यथा विश्वं तत्त्वं तत्त्वतः। तत्त्वं
विश्वं विगतं विज्ञानं। यथा विज्ञानं तत्त्वं
विज्ञानम्। विज्ञानं तत्त्वं तत्त्वं
विज्ञानं। तत्त्वं तत्त्वं
विश्वं। विगतविज्ञानम्॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

यथा[illegible]स्त्र[illegible] निधाय[illegible]ययौ क्षितः। स्वभावेन विरूणीयान्
[illegible]सां[illegible]कमनु[illegible]। विपुल[illegible]भुवनवद्यावलि
[illegible]। [illegible]विनिमिश्र[illegible]कारितिः। मारि[illegible]
[illegible]सं[illegible]सभावयेत्। [illegible]ख्यानतिप्रा[illegible]
[illegible]यतः। [illegible]चीतसामस्व[illegible]माणतः। [illegible]
[illegible]मक्ति[illegible]पाभाविविगूजः। सुत[illegible]पाप[illegible]नांवि
[illegible]। [illegible]भाख्यमाला[illegible] वि
क्रियाः। [illegible]सभावतः[illegible]निस्य। [illegible]
[illegible]विकाम[illegible]वसन्ताविव। [illegible]विर[illegible]
[illegible]परताविव। स्वं विण[illegible]पमसा[illegible]वरसानुने। [illegible]
[illegible]तिक्षुगतं[illegible]स्मारयेत्। [illegible]जायस्व[illegible]
[illegible]तिः। [illegible]जयस्त्व[illegible]वरसूरैः। [illegible]
[illegible]सभावस्वरैः। सो[illegible]पसस्त्व[illegible]
समागमं। [illegible]। [illegible]
[illegible]तिरा[illegible]। [illegible]वि[illegible]
[illegible]। [illegible]पकरा[illegible]यस्य विभावयं[illegible]
[illegible]पि[illegible]यको[illegible]नायकाः। [illegible]वकामस[illegible]

54

[illegible] ॥ ॥ इति [illegible] ॥ ॥ श्री
गणेशाय नमः ॥ ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]

पावनाय स्यात्पवित्रा विदुषां हि वाक् । अतोऽन्यतममास्थाय वि
धिं विप्रः समाहितः । ब्रह्महत्याकृतं पापं व्यपोहत्यात्मवत्तया । हत्वा ग
र्भमविज्ञातमेतदेव व्रतं चरेत् । राजन्यवैश्यौ चेजानावात्रेयीमेव च स्त्रि
यम् । उक्त्वा चैवानृतं साक्ष्ये प्रतिरुध्य गुरुं तथा । अपहृत्य च निक्षेपं
कृत्वा स्त्रीसुहृद्वधम् । इयं विशुद्धिरुदिता प्रमाप्याकामतो द्विजम् ।
कामतो ब्राह्मणवधे निष्कृतिर्न विधीयते । सुरां पीत्वा द्विजो मोहाद
ग्निवर्णां सुरां पिबेत् । तया स काये निर्दग्धे मुच्यते किल्बिषात्ततः ।
गोमूत्रमग्निवर्णं वा पिबेदुदकमेव वा । पयो घृतं वामरणाद्गोश
कृद्रसमेव वा । कणान्वा भक्षयेदब्दं पिण्याकं वा सकृन्निशि । सुरा
पानापनुत्त्यर्थं वालवासा जटी ध्वजी । सुरा वै मलमन्नानां पाप्मा
च मलमुच्यते । तस्माद्ब्राह्मणराजन्यौ वैश्यश्च न सुरां पिबेत् । गौडी
पैष्टी च माध्वी च विज्ञेया त्रिविधा सुरा । यथैवैका तथा सर्वा न
पातव्या द्विजोत्तमैः । यक्षरक्षःपिशाचान्नं मद्यं मांसं सुरासवम् । तद्
ब्राह्मणेन नात्तव्यं देवानामश्नता हविः । अमेध्ये वा पतेन्मत्तो वैदि
कं वाप्युदाहरेत् । अकार्यमन्यत्कुर्याद्वा ब्राह्मणो मदमोहितः ॥ यस्य
कायगतं ब्रह्म मद्येनाप्लाव्यते सकृत् । तस्य व्यपैति ब्राह्मण्यं शूद्र
त्वं च स गच्छति । एषा विचित्राभिहिता सुरापानस्य निष्कृतिः ॥

मनु
स्मृ
७५

[illegible]

रक्तस्तु तत्र तृतीये तु प्रजायते क्षत्रियस्य वर्णस्य भूतः। वैश्यस्तु ...
... [illegible] ... यस्तु प्रथिमः। ... [illegible] ... विविध ...
... [illegible] ... कन फल ... [illegible] ...
... [illegible] ... तम्। ... [illegible] ...
... [illegible] ... क्षितिक्षिति ... [illegible] ...
... [illegible] ... गवन्तं। ... [illegible] ...
... [illegible] ... सावधि ... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...
... [illegible] ...

श्रीगणेशाय नमः ॥

स्वस्ति ॥ ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ गुरवे नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सास्मिन् गुह्ये [illegible] विकल्प [illegible] वदं मये [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ॥ समाप्त [illegible] ॥
इति [illegible] ॥ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्री गणेशाय नमः ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ज्ञायत इति ॥ तथा चस्वर्गाच्छीतायां ॥ कालस्सृजति भू-
तानि कालस्संहरते प्रजाः। कालस्सुप्तेषु जागर्ति कालो
हि दुरतिक्रमः। कालेन गम्यते विश्वं कालेनैव निवर्त्त-
ते। कालस्य वशगः सर्वं ... ॥ अत्र
वा विस्तरतश्चाप्रदर्श्यत इति ॥ ...
यावाल्लक्षेत्प्रभृति ... काल-
...योगि... तस्य कालस्य
... विशिष्टं विशिष्टं कारणं। तथा च
...। ... विशिष्टं कारणं कालः
... समवेत ... योगविभाग ... का-
ल ... समवेत ... असमवायिकारणं कालः। का-
लस्तु ... समवायिकारणं ... अत्र
असमवायिकारणं तु ... इति नियमाद्
यस्मिन् कालविषये ... योगि

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ स्वस्ति ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ [illegible] गुरुभ्यो नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सिद्धा कुराशेनाया। युर्गे प्रव्रज्यनाशि ज्ञाया। सिद्धयोगाः कुरुकुतः ॥
इति सिद्धयोगः ॥ विष्कुम्भः प्रीतिरायुष्मान् सौभाग्यं शोभनस्तथा। अ
तिगण्डः सुकर्मा च धृतिः शूलस्तथैव च। गण्डो वृद्धिर्ध्रुवश्चैव व्याघा
तो हर्षणस्तथा। वज्रः सिद्धिर्व्यतीपातो वरीयान् परिघः शिवः। सि
द्धः साध्यः शुभः शुक्लो ब्रह्मैन्द्रो वैधृतिस्तथा। सप्तविंशतिरित्येते यो
गा स्वनामफलप्रदाः ॥ इति विष्कुम्भादियोगाः ॥ ववश्च बा
लवः कौलवस्तैतिलश्च तथा। गरश्च वणिजो विष्टिः सप्तैते
स्थिरसंज्ञकाः। अन्त्ये कृष्णचतुर्दश्यां शकुनिर्दर्शे चतुष्पदम्। नागं
चामावास्यायां किंस्तुघ्नं प्रतिपदाद्ये। शुक्लप्रतिपदाद्यन्ते
...
किंस्तुघ्नाद्य चराणि ... इति करणविचारः ॥ ...
त्याः [illegible]
...
...
...

मास्त्र
ब
३७

पत्र ३६६ श्लो १२००